RAJASTHAN PUBLIC SERVICE COMMISSION, AJMER

SYLLABUS FOR EXAMINATION FOR THE POST OF SR. TEACHER SANSKRIT EDUCATION DEPARTMENT

PAPER- II

हिन्दी

खंड–I

माध्यमिक व उच्च माध्यमिक स्तर :-

वर्ण–व्यवस्था	– स्वर व व्यंजनों का वर्गीकरण
शब्द–वर्गीकरण (स्रोत के आधार पर)	– तत्सम, तद्भव, विदेशी
शब्द–वर्गीकरण (व्याकरण आधारित)	– विकारी एवं अविकारी शब्दों का परिचय और भेद–उपभेद
व्याकरणिक कोटियाँ	– लिंग, वचन, कारक, काल, वाच्य
शब्द–रचना	– संधि, समास, उपसर्ग व प्रत्यय।
शब्द–ज्ञान	– पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेकार्थ शब्द, समश्रुत भिन्नार्थक शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द
वाक्य –रचना	– वाक्य का स्वरूप, पदक्रम, अंग, भेद–उपभेद
शब्द–शुद्धीकरण	
वाक्य –शुद्धीकरण	
विराम चिह्नों का परिचय	
मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ	
अपठित गद्यांश/पद्यांश आधारित प्रश्न	

खंड– II

स्नातक स्तर:-

(अ) शब्द शक्तियों के भेद व उदाहरण

काव्य की रीतियाँ, काव्य गुण, काव्यदोष (श्रुतिकटुत्व, ग्राम्यत्व, अप्रतीतत्व, क्लिष्टत्व, अक्रमत्व तथा दुष्क्रमत्व)

अलंकार – श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, असंगति, संदेह, भ्रांतिमान, विरोधाभास व मानवीकरण ।

छंद – द्रुतविलम्बित, हरिगीतिका, कवित्त, सवैया, दोहा, सोरठा व चौपाई

रस – रस का स्वरूप, रसावयव और रस–भेद

(ब) – हिन्दी साहित्य का इतिहास – नामकरण, कालविभाजन,

आदिकाल	– काव्य धाराएँ, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाएँ एवं रचनाकार
भक्तिकाल	– काव्य धाराएँ, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाएँ एवं रचनाकार
रीतिकाल	– काव्य धाराएँ, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाएँ एवं रचनाकार
आधुनिक काल	– पद्य का विकास – भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, नई कविता
आधुनिक काल	– गद्य का विकास – कहानी, उपन्यास, नाटक, निबन्ध, संस्मरण

(स) हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास, हिन्दी एवं उसकी बोलियों का सामान्य परिचय, देवनागरी लिपि

(द) – कबीर ग्रन्थावली – साखी – प्रथम 5 अंग एवं प्रथम 10 पद (सं0 श्यामसुन्दर दास)
– तुलसीदास – रामचरितमानस (बालकाण्ड)
– सूरदास – भ्रमरगीतसार (प्रथम 20 पद – सं0 रामचन्द्र शुक्ल)
– मीराबाई – मीरा पदावली (प्रथम 20 पद – सं0 परशुराम चतुर्वेदी)
– बिहारी रत्नाकर – (प्रथम 20 दोहे)
– सूर्यमल्ल मीसण (मिश्रण) –वीर सतसई (प्रथम 20 दोहे – सं0 नरोत्तमदास स्वामी, नरेन्द्र भानावत, लक्ष्मी कमल)
– रामधारी सिंह दिनकर – कुरूक्षेत्र (प्रथम सर्ग)
– जयशंकर प्रसाद – कामायनी (श्रद्धा सर्ग)
– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल– चिन्तामणि – (भाग–1) केवल उत्साह, श्रद्धा और भक्ति, लोभ और प्रीति
– मोहन राकेश – लहरों के राजहंस
– यादवेंद्र शर्मा 'चंद्र' – खून का टीका

– कहानियाँ – उसने कहा था – चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
पूस की रात – प्रेमचंद
पटाक्षेप नहीं होगा – हेतु भारद्वाज
उजाले के मुसाहिब – विजयदान देथा

खंड– III

हिन्दी शिक्षण एवं शिक्षण विधियाँ

(अ) – भाषायी कौशलों के विकास हेतु निम्नांकित पक्षों के स्वरूप का शिक्षण– श्रवण, उच्चारण, वर्तनी, वाचन (सस्वर व मौन) अभिव्यक्ति (लिखित एवं मौखिक)
– हिन्दी की विभिन्न विधाओं का शिक्षण, शिक्षण विधियाँ एवं पाठ योजना निर्माण (इकाई व दैनिक)– गद्य शिक्षण, पद्य शिक्षण, व्याकरण शिक्षण, रचना शिक्षण, कहानी शिक्षण, नाटक शिक्षण
(आ) – भाषा शिक्षण में निदानात्मक परीक्षण व उपचारात्मक शिक्षण
– भाषा शिक्षण में सहायक सामग्री का उपयोग
– भाषा शिक्षण में मूल्यांकन– सतत एवं समग्र मूल्यांकन, पाठान्तर्गत व पाठोपरांत मूल्यांकन

*****

For the competitive examination for the post of Senior Teacher:-

1. The question paper will carry maximum 300 marks.
2. Duration of question paper will be **Two Hours Thirty Minutes**.
3. The question paper will carry 150 questions of multiple choices.
4. Negative marking shall be applicable in the evaluation of answers. For every wrong answer one third of the marks prescribed for that particular question shall be deducted.
5. Paper shall include following subjects carrying the number of marks as shown against them:-
   (i) Knowledge of Secondary and Senior Secondary Standard about relevant subject matter. 180 marks
   (ii) Knowledge of Graduation Standard about relevant subject matter. 80 marks
   (iii) Teaching Methods of relevant subject. 40 marks

Total - 300 marks

*****